

1

---

---

---

---

---

---

---

---



2

---

---

---

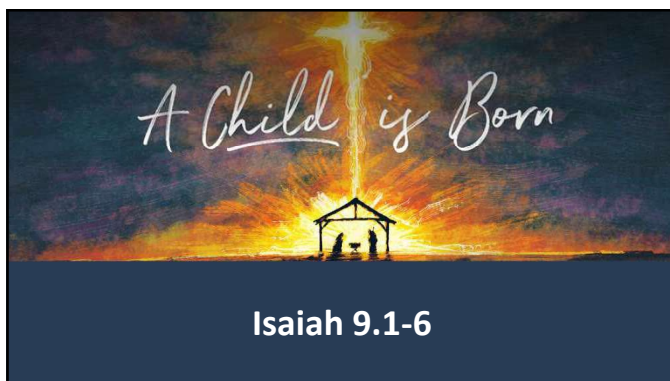
---

---

---

---

---



3

---

---

---

---

---

---

---

---



4

---

---

---

---

---

---

---



5

---

---

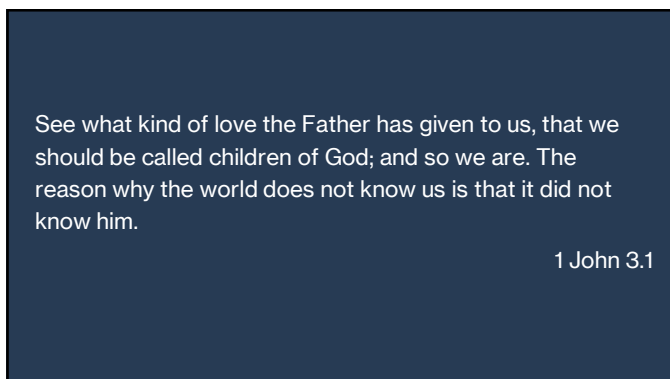
---

---

---

---

---



6

---

---

---

---

---

---

---



7

---

---

---

---

---

---

---

"Ask, and it will be given to you; seek, and you will find; knock, and it will be opened to you. For everyone who asks receives, and the one who seeks finds, and to the one who knocks it will be opened. Or which one of you, if his son asks him for bread, will give him a stone? Or if he asks for a fish, will give him a serpent? If you then, who are evil, know how to give good gifts to your children, how much more will your Father who is in heaven give good things to those who ask him!

Matthew 7:7-11

8

---

---

---

---

---

---

---

"And when you pray, do not heap up empty phrases as the Gentiles do, for they think that they will be heard for their many words. Do not be like them, for your Father knows what you need before you ask him.

Matthew 6.7-8

9

---

---

---

---

---

---

---

But when the fullness of time had come, God sent forth his Son, born of woman, born under the law, to redeem those who were under the law, so that we might receive adoption as sons. And because you are sons, God has sent the Spirit of his Son into our hearts, crying, "Abba! Father!" So you are no longer a slave, but a son, and if a son, then an heir through God.

Galatians 4.4-7

10

---

---

---

---

---

---

---

---

For all who are led by the Spirit of God are sons of God. For you did not receive the spirit of slavery to fall back into fear, but you have received the Spirit of adoption as sons, by whom we cry, "Abba! Father!"

Romans 8.15

11

---

---

---

---

---

---

---

---



12

---

---

---

---

---

---

---

---



13

---

---

---

---

---

---

---